(101) हुक्का भरना — सेवा करना / हाँ हुजूरी करना।

— झब्बूलाल तो सदा से सेठ का हुक्का भरता है।

(102) हिलोरें मारना :— उत्साहित / तरंगीत होना।

सागर जब हिलोरें लेता है तो सब प्रसन्न होते हैं।

(103) हाँथ-पाँव फूलना :— भय से घबरा जाना।

रामू साँप देखकर इतना तेज भागा कि उसके तो हाथ पैर फूल गए

(104) हाथ पीले करना :— विवाह करना।

आज श्यामराज ने अपनी बेटी के हाथ पीले कर दिए।

(105) उँगली पर नचाना :—

इशारों पर नचाना

जीतू मालिक के इशारों / ऊँगली पर नाचता रहता है

(106) उड़ती चिड़िया पहचाना / परखना —
दूर से भाँप लेना।

मैं तो हर उड़ती चिड़िया को पहचान लेता हूँ।

(107) उतार-चढ़ाव देखना —
अनुभव प्राप्त करना / सुख-दुःख देखना।

(108) उल्टी माला फेरना :—
परम्परा के उल्टा काम

Gyansindhu Coaching Classes
By Arunesh Sir

(109) उल्टी गंगा बहाना :—
" "

(110) उल्लू सीधा करना :—
अपना काम निकालना।

(111) ऊँची दुकान फीके पकवान —
प्रसिद्ध स्थान निकृष्ट वस्तु

(112) ऊँट के मुँह में जीरा :—
बहुत कम मात्रा में वस्तु

(113) एक अनार सौ बीमार :—
एक वस्तु के लिए कई व्यक्तियों का प्रयत्न।

(114) एक आँख से देखना :—
समान व्यवहार

(115) एक और एक ग्यारह होना :—
एकता में शक्ति

(116) एड़ी चोटी का जोर लगाना :—
अत्याधिक परिश्रम

(117) ऐसी-तैसी करना :—
अपमानित करना

(118) अटका बनिया देय उधार —
मजबूरी में काम

(119) अधजल गगरी छलकत जाय —
कम विद्वता में
अधिक शेखी बघारना

(120) अन्त न पाना —
रहस्य न जानना

(121) अन्त बिगाड़ना —
वृद्धावस्था में कलंक

(122) अन्न जल उठना —
मृत्यु के सन्निकट/ विदाई के

(123) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना —
स्वयं की प्रशंसा।

(124) अपना-सा मुँह लेकर रह जाना —
लज्जित होना।

(125) अपने पैरों खड़े होना —
स्वावलम्बी

(126) आ बैल मुझे मार —
जानबूझकर विपत्ति मोल

(127) आकाश पाताल एक करना —
अधिकाधिक प्रयत्न

(128) आँखे फेरना —
कृपा न रखना।

(129) आँखे खुल जाना —
वास्तविकता का ज्ञान

(130) आँखे नीची होना —
लज्जा का अनुभव।

(131) आँखे चार होना —
प्यार होना।

(132) आँख का तारा होना —
अत्यधिक प्रिय या दुलारा होना।

(133) आँखो में धूल झोंकना —
धोखा देना ।

(134) आँखो पर चर्बी छाना —
अत्यधिक घमण्डी होना।

(135) आँखो पर परदा पड़ना —
विपत्ति/दुःख की ओर
ध्यान नहीं।

(136) आँचल बाँधना —
गाँठ बाँधना/ याद करना

(137) आग-बबूला होना —
अत्याधिक क्रोधित होना

(138) आग में घी डालना —
क्रोध/झगड़ा और भड़काना।

(139) आधा तीतर आधा बटेर —
अधूरा ज्ञान

(140) आसमान टूट पड़ना —
घोर विपत्ति आजाना

(141) आकाश-पाताल एक करना —
यथाशक्ति प्रयत्न करना

(142) आसमान सिर पर उठाना —
उपद्रव मचाना।

(143) आसमान पर थूकना —
अच्छे चरित्र वाले पर दोषारोपण

(144) आस्तीन का साँप —
कपटी मित्र

(145) इज्जत मिट्टी में मिलाना —
सम्मान नष्ट करना।

(146) इधर उधर की लगाना —
चुगली करना।

(147) ईंट से ईंट बजाना —
करारा जवाब / नष्ट-भ्रष्ट करना

(148) ईद का चाँद होना —
कभी-2 दिखना।

(149) ईंट का जवाब पत्थर से देना —
करारा जवाब/मुँहतोड़ जवाब

(150) अँगार उगलना —
क्रोधवश कटु बोलना।

(151) अँगारे बरसना —
अधिक गर्मी पड़ना।
(धूप)

(152) अँगारे सिर पर धरना —
विपत्ति मोल लेना।

(153) अँगूठा चूसना —
बच्चों की तरह नादान बातें करना

(154) अँगूठा दिखाना —
इनकार करना।

(155) अँगूठी का नगीना —
अति सम्मानित व्यक्ति/वस्तु

(156) अंग-अंग फूले न समाना —
अत्याधिक प्रसन्नता

(157) अंग लगाना —
स्नेह से लिपटना।

(158) अन्धे की लाठी —
एकमात्र सहारा

(159) अन्धे के आगे रोना —
निठुर के आगे दुःख सुनाना।

(160) अन्धो में काना राजा —
मूर्खों के बीच अल्पज्ञ।

(161) अक्ल चरने जाना —
मतिभ्रम होना।

(162) अगर मगर करना —
बचने का बहाना / इन्कार

(163) अन्धे के हाथ बटेर लगना —
कभी भाग्य से प्राप्ति।